REPORT ON INDIAN PARLIAMENTARY PARTICIPATION AT INTERNATIONAL CONFERENCE

SECRETARY-GENERAL: Sir, I lay on the Table, a copy (in English and Hindi) of the Report on the participation of the Indian Parliamentary Delegation at the One hundred and Twentieth Assembly of the Inter-Parliamentary Union (IPU) held in Addis Ababa (Ethiopia) from 5th to 10th April, 2009.

STATEMENTS BY MINISTERS

Status of implementation of recommendations contained in the thirtieth and Thirty-first Reports of the Department-related Parliamentary Standing Committee on Defence

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI A.K. ANTONY): Sir, I make a statement regarding status of implementation of recommendations contained in the Thirtieth and Thirty-first Reports of the Department-related Parliamentary Standing Committee on Defence.

Status of implementation of recommendations contained in the Thirty-third and Thirty-Fifth reports of the Department-related Parliamentary Standing Committee on Labour

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRIMATI PANABAKA LAKSHMI): Sir, I make statements regarding status of implementation of recommendations contained in the Thirty-third and Thirty-fifth Reports of the Department-related Parliamentary Standing Committee on Labour.

MATTERS RAISED WITH PERMISSION

Plight of cycle rickshaw pullers in cities

श्री अली अनवर अंसारी (बिहार) : उपसभापति महोदय, सन् 1870 ईस्वी में जापान में रिक्शा का आविष्कार हुआ था। उसके करीब 60 साल बाद ढाका तथा हिन्दुस्तान में कोलकाता जैसे शहर व अन्य शहरों में हाथ रिक्शा व साइकिल रिक्शा पहुंचा। तब से लेकर आज तक पूरे मुल्क में लाखों करोड़ों लोग रिक्शा चलाकर अपना जीवन बसर करते हैं। हुज़ूर, आप जानते हैं कि जब रोज़ी-रोटी के लिए तमाम दरवाजे बंद हो जाते हैं, तब इंसान रिक्शा चलाने के लिए मज़बूर होता है। यह रिक्शा चालन पॉलूशन फ्री है, इससे हलाल की कमाई होती है तथा लोग अपनी मेहनत से रिक्शा चलाते हैं, लेकिन सरकारों की नीतियां कुछ ऐसी हो गई हैं कि विकास की एक अंधी दौड़ चल रही है। सड़कें चौड़ी हो रही हैं तथा बड़े-बड़े Highways बन रहे हैं, लेकिन आप रिक्शा चालकों के लिए सड़कों का कोई प्रावधान नहीं कर रहे हैं। आज जगह-जगह रिक्शा चालन पर बैन लगा रहा है। रिक्शा चालकों पर पुलिस डंडा चलाती है और कहती है कि इस रास्ते पर रिक्शा चलाना मना है, इस शहर में रिक्शा चलाना मना है। सर, दिल्ली में भी ऐसा हो रहा है और कोलकाता जैसे शहार में भी ऐसा हो रहा है। मैं पिछले सप्ताह कोलकाता में था, वहां के रिक्शा तथा साइकिल रिक्शा चलाने वालों का कहना है कि उनके लाइसेंस का नवीनीकरण नहीं हो रहा है। वहां की विधान सभा ने एक बिल पास करके हाथ से चलने वाले रिक्शा को बैन कर दिया है। हुज़ूर, हमारा यह कहना है कि